| Barelvi Mazhab Aik Ganda Gustaakh Mazhab hai |

39 सरकार ﷺ का पैग़ाम अत्तार के नाम

लिया। नीज़ उसी वक़्त से उस ने दाढ़ी मुंडवाना छोड़ दी कि मैं सरकारे मदीना صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وسلم के हुक्म से मुन्अक़िद होने वाले सुन्नतों भरे इज्तिमाअ़ में सरकार صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وسلم के दुश्मनों वाली सूरत कैसे ले कर जाऊंगा ? चुनान्चे उस ने दाढ़ी मुंडवाने से तौबा कर ली। उस मोडर्न नौ जवान ने दा'वते इस्लामी के सुन्नतों भरे इज्तिमाअ़ में शिरकत की ब-र-कत से सर पर सब्ज़ सब्ज़ इमामा शरीफ़ सजा लिया और الحمدللہ عزوجل पक्का नमाज़ी बन गया।

क़ादियानियत से तौबा

"दा'वते इस्लामी" पर सरकार صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وسلم का करम" नामी इश्तिहार पढ़ कर एक नौ जवान जो हाफ़िज़े कुरआन भी था अमीरे अहले सुन्नत صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وسلم की ख़िदमत में हाज़िर हुवा और उस ने अपनी आप बीती सुनाई कि मैं क़ादियानियों की सोहबत में काफ़ी अर्से रहा हूं और मैं क़ादियानियत से काफ़ी मु-तअस्सिर भी हो चुका था। बल्कि मैं ने तो पक्का अ़ज़्म भी कर लिया था कि मैं क़ादियानी मज़्हब इख़्तियार भी कर लूंगा। दरीं अस्ना आप का इश्तिहार मिला उसे पढ़ कर मेरे ज़मीर ने मुझे झन्झोड़ा कि नहीं हरगिज़ नहीं वोह मज़्हब हरगिज़ बातिल नहीं हो सकता जिस मज़्हब में ऐसे लोग भी हों जिन्हें सरकार صلی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وسلم बिशारत से नवाज़ते हों। लिहाज़ा आप की ख़िदमत में तशरीफ़ लाये